दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२५४ वा | सोमवार १४ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पर उपमुख्यमंत्री अजित पवारने अर्पित की श्रद्धांजलि

डॉ. आंबेडकर के विचारों में पूरी मानवता के कल्याण की शक्ति छिपी है-अजित पवार

मुंबई (प्रतिनिधि)

भारतीय संविधान के निर्माता, महान मानवतावादी, 'विश्व रत्न' और 'भारत रत्न' डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने डॉ. आंबेडकर के क्रांतिकारी कार्यों और सार्वभौमिक विचारों को नमन करते हुए राज्य के सभी नागरिकों को जयंती की शुभकामनाएं दीं।

अजित पवार ने अपने संदेश में कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भारत को दुनिया का सबसे महान संविधान दिया, जिसने देश की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक विविधता को एकता, समानता और भाईचारे के सूत्र में पिरो दिया।

उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने अज्ञानता, अन्याय, अंधविश्वास, छुआछूत और जातिवाद जैसे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जोरदार संघर्ष किया और हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिलाया। वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समानता और आत्मसम्मान की शक्ति प्रदान की। उनका संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' ने कई पीढ़ियों की तकदीर संवारी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को - चाहे वह अमीर हो या गरीब, पुरुष हो या महिला - समान मतदान का अधिकार दिया। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार और विकास के समान अवसर प्रदान किए।

अजित पवार ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के विचार किसी एक जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के लिए नहीं थे, बल्कि उनमें संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश समाहित है।

उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाना, सभी वर्गों को साथ लेकर देश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अजित पवार ने कहा कि देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य डॉ. आंबेडकर ने किया। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि ऐसा महान नेता हमारे देश में जन्मा, जिसने न केवल अद्वितीय संविधान बनाया, बल्कि कई क्षेत्रों में अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर एक दूरदर्शी और बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी नेता थे। वे विधिवेत्ता, संविधान विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, लेखक, पत्रकार, चित्रकार और संगीतज्ञ भी थे।

महाड़ के चावदार तालाब पर उनका सत्याग्रह, मनुस्मृति दहन आंदोलन, किसानों के अधिकारों के लिए किया गया संघर्ष और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका - यह सब उनके क्रांतिकारी आंदोलनों के उदाहरण हैं, जिन्होंने भारतीय समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। अजित पवार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को घर-घर तक पहुंचाया जाए ताकि देश में एकता, अखंडता और स्वाभिमान को बल मिले। समाज में समानता, भाईचारे और सौहार्द का वातावरण मजबूत करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। यही डॉ. आंबेडकर के विचारों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का वास्तविक मार्ग है।

केंद्रेकर पॅटर्न..

ऊहदा मिला है शान का।
रुतबा बड़ा है किसान का।

बीड (संवाददाता): बीड के पुर्व जिलाअधिकारी सूनील केन्द्रे कर एक ईमानदार और शिसतप्रिय अधिकारी के तोर मशहूर रहे, आयुक्त रहते हूवे उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था,
आज व परभनी जिले में खेती का आनंद लें रहे हैं।
फोटो, अडॅ, अजीत देशमुख

प्रसूति के बाद महिला की मौत

डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

बीड़ (प्रतिनिधि)

बीड़ के जिला अस्पताल में प्रसूति के लिए भर्ती कराई गई एक ४० वर्षीय महिला की प्रसूति के बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला की मौत अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हुई। मृतक महिला के परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छाया गणेश पांचाल (उम्र ४० वर्ष, निवासी आंबिलवडगांव) नामक महिला को ११ अप्रैल को जिला अस्पताल में प्रसूति के लिए भर्ती कराया गया था। रात में महिला की डिलीवरी हुई और उसने एक बेटे को जन्म दिया।

लेकिन डिलीवरी के बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हो गई। महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर की लापरवाही के चलते उनकी मौत हुई है।

परिजनों ने दोषी डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग करते हुए आक्रामक रुख अपनाया। परिजनों ने चेतावनी दी कि जब तक डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया जाता, तब तक पोस्टमार्टम नहीं करने दिया जाएगा।

इस घटना के चलते जिला अस्पताल में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बना रहा।

गुणवत्ता रखने वाला व्यक्ति ही दुनिया पर राज कर सकता है-पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

नेकनूर में श्री कालिकादेवी मंदिर की वार्षिक सभा और प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

नेकनूर (प्रतिनिधि)

पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने कहा कि जिसके पास गुणवत्ता है, वही व्यक्ति दुनिया पर राज कर सकता है। आज के युग में विज्ञान की शक्ति से लोग सात समंदर पार पहुंच चुके हैं, लेकिन विज्ञान का सही उपयोग करना जरूरी है। आज के समय में मन, इंसान और इंसानियत को संभालना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

वे श्री कालिकादेवी मंदिर संस्थान, नेकनूर में आयोजित वार्षिक सर्वसाधारण सभा २०२५ एवं समाज के मान्यवरों और

गुणवंत विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

इस अवसर पर विलास बडगे, दिनकर कदम, अरुण डाके, नानासाहेब काकडे, सखाराम मस्के, रामदास फुटाणे, जफर काज़ी, शिवाजी काटकर, शिवाजी भांडेकर आदि मान्यवर उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने आगे कहा कि इस वर्ष सुवर्ण महोत्सवी वर्ष के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र का सम्पूर्ण कासार समाज एकत्र आया है। समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, इस भाव को समझते हुए सभी समाज बंधु इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जीवन सार्थक बनाने का अवसर हर समाज के व्यक्ति को मिलता है। आज के दौर में बच्चे मोबाइल के अधीन हो गए हैं, लेकिन मोबाइल का उपयोग सकारात्मक दिशा में किया जाना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर विभिन्न क्षेत्रों की परीक्षाएं देकर अपने करियर का निर्माण करें। समाज में एकता की आवाज को बुलंद करना जरूरी है। मनुष्य, मन और इंसानियत को बचाकर रखना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है और यही इंसान को जीवन में सफलता दिलाने वाली है।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज के सभी विद्यार्थी गुणवत्ता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस कार्यक्रम में जिले भर से और जिले के बाहर से बड़ी संख्या में समाज बंधुओं की उपस्थिति रही।

बीड़ में सावरकर स्मारक का सौंदर्यीकरण अंतिम चरण में

युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने किया स्मारक कार्यों का निरीक्षण, डोम व सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवत्ता की सराहना

बीड़ (प्रतिनिधि)

१३ अप्रैल - बीड़ शहर के जवाहर कॉलनी परिसर में निर्माणाधीन स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर स्मारक का सौंदर्यीकरण और डोम निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। आगामी कुछ ही दिनों में यह कार्य पूर्ण होने की संभावना है।

इसी क्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के युवा नेता डॉ. योगेश क्षीरसागर ने रविवार, १३ अप्रैल को स्मारक स्थल का दौरा कर वहां चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की सराहना की। साथ ही सावरकर विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं और सावरकर प्रेमियों ने भी इस कार्य की गुणवत्ता को लेकर संतोष व्यक्त किया है।

सावरकर विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह स्मारक अत्यंत भव्य और प्रेरणादायी स्वरूप धारण करेगा।

निरीक्षण के अवसर पर पूर्व नगरसेवक सुभाष सपकाळ, संपादक दिलीप खिस्ती, वीर सावरकर सामाजिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. अजिंक्य पांडव, एडवोकेट मिलिंद वाघिरकर, कुलदीप धुमाळे, डॉ. राजेश भुसारी, प्रा. अभय पटवारी, डॉ. सुहास देशपांडे, डॉ. प्रसाद वाघिरकर, प्रा. मिलिंद शिवणिकर, डॉ. अजय कुलकर्णी, सतीश देशपांडे, त्रिंबक देशपांडे, डॉ. यू.डी. कुलकर्णी, महेश कुलकर्णी, प्रकाश गोरकर, विजय कोटुळे, विशाल जोशी, प्रा. उमेश बोबडे, अंकित जोशी, अनिल जोशी, अभिजीत वैद्य, दिलीप जवळीकर, गोविंद शिवणिकर आदि मान्यवर एवं बड़ी संख्या में सावरकर प्रेमी उपस्थित थे।

बीड़ शहर के नगर नाका क्षेत्र स्थित ऑलिव रेस्टॉरेंट एंड बैंक्वेट में पहुंचे पूर्व मंत्री जयदत्त अण्णा क्षीरसागर

भोपले परिवार की ओर से किया गया स्वागत

बीड़ (प्रतिनिधि) बीड़ शहर के नगर नाका क्षेत्र में स्थित ऑलिव रेस्टॉरेंट एंड बैंक्वेट को पूर्व मंत्री जयदत्त अण्णा क्षीरसागर ने भेंट दी। इस अवसर पर भोपले परिवार की ओर से पूर्व मंत्री जयदत्त अण्णा क्षीरसागर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।साथ में मैनेजर धुरंधरे.

मुंबईकरों को अदानी की बिजली दर वृद्धि का झटका

कांग्रेस नेता सुरेशचंद्र राजहंस ने की दर घटाने की मांग

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि)

जहां एक ओर मुंबईकर तेज गर्मी से परेशान हैं, वहीं अब अदानी कंपनी द्वारा की गई बिजली दरों में वृद्धि से मुंबईवासियों को एक और बड़ा झटका लगने वाला है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही महंगाई और अब बिजली की दर बढ़ने से आम जनता की जेब पर सीधा असर पड़ा है।

कांग्रेस प्रवक्ता और स्लम सेल विभाग के मुंबई अध्यक्ष सुरेशचंद्र राजहंस ने मांग की है कि मुंबईवासियों को पूर्ववत दरों पर बिजली उपलब्ध कराई जाए।

अदानी पावर द्वारा बिजली दरों में वृद्धि की गई है, जिससे झोपड़पट्टी में रहने वाले गरीब, मजदूर वर्ग के साथ-साथ मध्यमवर्गीय परिवारों पर भी इसका सीधा असर पड़ने वाला है। मुंबई में तापमान बढ़ने के कारण पंखे, एसी और कूलर का उपयोग काफी बढ़ गया है, ऐसे में गर्मी के मौसम में बिजली दरों में वृद्धि से आम जनता को तगड़ा झटका लगा है।

कांग्रेस नेता सुरेशचंद्र राजहंस ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में महंगाई ने जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही है और निजीकरण के चलते सरकार का इन कंपनियों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस पूरी स्थिति में सबसे ज्यादा आम जनता ही पिस रही है और सरकार को तत्काल बिजली दरों में की गई वृद्धि को वापस लेकर राहत देनी चाहिए।

अरबाज के सप्तरंग में संघर्ष की शुरुआत

मुस्लिम नेतृत्व को अपना छठा फर्ज समझकर निभाएं-भागवत तावरे

मस्जिद पर हमले सहन नहीं किए जाएंगे, शिक्षा, रोजगार और महिला सशक्तिकरण के लिए राजनीतिक मंच का ऐलान

बीड़ (प्रतिनिधि)

विशालगढ़ से लेकर अर्धमसला मस्जिद पर हुए आतंकवादी हमले और मुस्लिम समाज की आस्था और अस्मिता पर हो रहे लगातार प्रहार के विरोध में शेख अरबाज ने 'सप्तरंग संगठन' की स्थापना की है। जिला भर के युवाओं को जोड़ते हुए बीड़ में एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इस सम्मेलन में शेख अरबाज ने हजारों युवाओं की उपस्थिति में स्पष्ट कहा कि मुस्लिम समाज की सहनशीलता की परीक्षा न ली जाए, संविधान सभी के लिए समान है और हम भी ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।

बीड़ के होटल अनविता के सभागार में आयोजित इस पहले ऐतिहासिक सम्मेलन में संस्थापक अध्यक्ष अरबाज पठान ने मुस्लिम समाज की पीड़ा, उपेक्षा और अपेक्षाओं को सामने रखा। उन्होंने कहा कि हम समाज के दबे-कुचले वर्गों के लिए रचनात्मक कार्यक्रम लेकर आगे आए हैं और बड़े दबाव समूह के रूप में काम करेंगे।

इस अवसर पर बीड़ जिले के प्रत्येक तालुका से सप्तरंग संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे। गरीब मुस्लिम समाज के लिए विभिन्न उपक्रम एवं कार्यक्रम चलाकर समाज के कर्तव्य को निभाने का संकल्प भी अरबाज पठान ने दोहराया।

सम्मेलन में शेख शफीक भाई, नगरसेवक अमर शेख, प्रो. नदीम शेख (संचालन), अजमेर मणियार (प्रस्तावना) उपस्थित थे।

कौन हैं अरबाज पठान?

अगले कुछ ही महीनों में बीड़ जिले में मुस्लिम युवकों को एकजुट करने वाले अरबाज पठान मानूर

गांव के निवासी हैं। वे दिल्ली-मुंबई के राजनीतिक दायरे में सक्रिय हैं। सांसद लंके के संगठन में दिल्ली में कार्यरत रहे अरबाज पठान अब स्थानीय स्तर पर मुस्लिम समाज के युवाओं को एकजुट कर रहे हैं।

अरबाज पठान मुस्लिम युवाओं को हक, रोजगार, विकास की दिशा और गरीब मुस्लिम परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उम्मीद दिखा रहे हैं। वे जमीनी स्तर के नेता हैं और उनकी भूमिका ने मुस्लिम युवाओं को एक नई उम्मीद दी है।

भागवत तावरे का भावुक भाषण

लोकपत्रकार भागवत तावरे ने सम्मेलन में कहा कि मुस्लिम समाज की वेदना और उनकी अपनी संवेदना का गहरा रिश्ता है। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि अब मुस्लिम समाज को उपेक्षित करना, परेशान करना और शक की नजर से देखना सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की लड़ाई कैसे लड़ी जाती है और कैसे जीती जाती है, इसका मार्गदर्शन किया। उनके भाषण ने युवाओं की आंखों में आंसू और दिलों में आशा भर दी।

विस्थापितों की आवाज और नया राजनीतिक समीकरण सम्मेलन में यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि अगर मुस्लिम समाज की आस्था और अस्मिता को लगातार कुचला जाएगा तो सत्ता को राजनीतिक जवाब देने की भाषा अब तैयार करनी होगी।

अरबाज पठान ने कहा कि अगर राजनीति समाज के लिए नहीं होगी तो संगठन व्यर्थ है। इसलिए मुस्लिम समाज के लिए राजनीति जरूरी है और वे इसे खुले तौर पर स्वीकार करते हैं।

सम्मेलन में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे -

अजमेर मणियार, साजेद पाशा, अलीम सैय्यद, वसीम मणियार, अमन शेख, इमरान शेख, नदीम शेख, रफीक पटेल, अफजल सैय्यद, मुस्तकीम शेख, सरफराज शेख, अखिल सैय्यद, सोहेल खान, अफरोज शेख, शौकत पटेल, अमजद शेख, शहजाद शेख, आरिफ कुरैशी, निहाल दादा, नबील फारूकी, शहबाज शेख, मुकीद सैय्यद, समीर सैय्यद, अजर इनामदार, आमेर सैय्यद, बबलू जहागीरदार, शाहर जहागीरदार, तौसीफ सैय्यद, आतेफ मणियार, सुमेर पटेल, रियाज काज़ी, सोहेल आतार, इकबाल भाई, रियाज राजे, नाजिम भाई (आष्टी), शहबाज भाई (आष्टी), अजीम भाई (आष्टी), अमर शेख, असलम कुरैशी (वडवणी), जहागीर भाई (अंबाजोगाई), आमेर युवा, दानिश कुरैशी (शहागढ़)।

न्यायमूर्ति भूषण गवई बनेंगे देश के ५२ वें मुख्य न्यायाधीश

राष्ट्रपति १४ मई को दिलाएंगी पद की शपथ

रिपोर्टर - जमीर काज़ी

मुंबई :

देश के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सेवानिवृत्त होने के बाद महाराष्ट्र के प्रसिद्ध विधिवेत्ता और आंबेडकरी विचारधारा की विरासत को आगे बढ़ाने वाले न्यायमूर्ति भूषण गवई देश के ५२वें मुख्य न्यायाधीश बनने जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू १४ मई २०२५ को उन्हें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाएंगी।

न्यायमूर्ति भूषण गवई भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के दिवंगत नेता, पूर्व सांसद और बिहार, सिक्किम व केरल राज्यों के राज्यपाल रहे आर. एस. गवई और कमलाताई गवई के पुत्र हैं।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना १४ मई को सेवानिवृत्त होंगे और उनके उत्तराधिकारी के रूप में वरिष्ठ न्यायमूर्ति भूषण गवई को नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति गवई को इस पद पर लगभग छह महीने कार्यकाल मिलेगा। वे २३ नवंबर २०२५ को सेवानिवृत्त होंगे।

न्यायमूर्ति भूषण गवई का जीवन परिचय:

भूषण गवई का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती जिले में २४ नवम्बर १९६० को हुआ। उन्होंने मुंबई से कानून की डिग्री हासिल की और वर्ष १९८५ में वकालत की शुरुआत की। उन्होंने मुंबई और अमरावती में वकालत की। वे बॉम्बे हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिवंगत बैरिस्टर राजा एस. भोसले के साथ काम कर चुके हैं।

मुंबई उच्च न्यायालय के नागपुर खंडपीठ में वे न्यायाधीश बने और बाद में उन्हें पदोन्नति मिली। वे २४ मई २०१९ को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त हुए। अब १४ मई २०२५ को वे देश के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

न्यायपालिका में लाए कई नवाचार:

न्यायमूर्ति भूषण गवई ने सर्वोच्च न्यायालय में कई नई परंपराएं शुरू कीं। उन्होंने जनहित याचिकाओं की सुनवाई के लिए सप्ताह में एक दिन निर्धारित किया। आम लोगों के हित में कई महत्वपूर्ण आदेश दिए।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में आरोपी व्यक्तियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के तेज आवाज में बहस करने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और वकीलों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी।

ठाकरे गुट को बड़ा झटका, संजय घाडी और संजना घाडी का शिंदे गुट में प्रवेश

महापालिका चुनाव से पहले शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा नुकसान

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि)

महापालिका चुनाव से पहले मुंबई की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के पूर्व नगरसेवक संजय घाडी और उपनेता एवं प्रवक्ता संजना घाडी सहित मागाठाणे विधानसभा क्षेत्र के कई उपशाखा प्रमुख, गट प्रमुख, शाखा प्रमुख और युवा सेना के कार्यकर्ताओं ने आज शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश किया।

राज्य के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर संजना घाडी को शिंदे गुट की शिवसेना में उपनेता और प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किए जाने की घोषणा भी की गई। इस मौके पर पूर्व नगरसेवक राम रेपाळे, विधान परिषद की उपसभापति और शिवसेना नेत्या विधायक डॉ. नीलम गोऱ्हे भी मौजूद थीं। इस पार्टी प्रवेश को महापालिका चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने महायुती को ऐतिहासिक विजय दिलाई है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने ८० सीटों पर चुनाव लड़ा और ६० सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कुछ लोगों ने १०० सीटों पर चुनाव लड़कर केवल २० सीटें ही जीतीं। इससे जनता ने तय कर दिया कि असली शिवसेना किसकी है।

उन्होंने कहा कि हमने हमेशा आरोपों का जवाब काम से दिया है। मुंबई में पिछले १५ से २० वर्षों से जो काम नहीं हुए थे, वे हमने पिछले ढाई वर्षों में शुरू कर दिखाए।

संजय घाडी ने इस अवसर पर कहा कि वे एकनाथ शिंदे द्वारा किए गए विकास कार्यों से प्रभावित होकर मूल शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो रहे हैं।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर : एक युग निर्माता नेता!

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर, जिन्हें पूरी दुनिया डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के नाम से जानती है, भारत के ऐसे महान विचारक, समाज सुधारक, विधिवेत्ता, संविधान निर्माता और दलितों के मसीहा थे, जिन्होंने देश के सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाए। उनकी पूरी जिंदगी संघर्ष, ज्ञान और मानव सेवा त्र मिसाल है।

प्रारंभिक जीवन:

डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म १४ अप्रैल १८९१ को मध्य प्रदेश के मह नामक स्थान पर हुआ। वे महार जाति (दलित वर्ग) से संबंधित थे, जो उस समय भारतीय समाज में सबसे पिछड़ी और शोषित जाति मानी जाती थी। उनके पिता रामजी स्कूल शिक्षक थे और सेना में भी काम कर चुके थे। हालांकि उनके पिता शिक्षित थे, लेकिन जातिवाद और भेदभाव के कारण आंबेडकर को बचपन से ही अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

शिक्षा और ज्ञान यात्रा:

डॉ. आंबेडकर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के एलफिंस्टन हाई स्कूल से पूरी की। वे अपनी जाति के पहले छात्र थे जिन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की। इसके बाद उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय से बी.ए. की डिग्री हासिल की। उनकी योग्यता और मेहनत को देखते हुए बड़ौदा के महाराजा गायकवाड़ ने उन्हें विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति दी। डॉ. आंबेडकर ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से एम.ए. और पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की। फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने कानून की शिक्षा भी हासिल की और बार-एट-लॉ की डिग्री प्राप्त की।

जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष:

डॉ. आंबेडकर ने अपने जीवन का अधिकांश समय भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद, छुआछूत और दलितों के शोषण को समाप्त करने में लगाया। उन्होंने शिक्षा, जागरूकता और राजनीतिक भागीदारी को दलितों की तरक्की का रास्ता बताया। उन्होंने दलितों से आह्वान किया कि वे शिक्षा प्राप्त करें, एकजुट हों और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें। उन्होंने कई आंदोलन चलाए, जैसे - चावदार तालाब सत्याग्रह और काला पानी पत्रिका। इन आंदोलनों का उद्देश्य दलितों को बुनियादी मानव अधिकार दिलवाना था, जैसे पानी पीने का अधिकार, मंदिरों में प्रवेश और समान व्यवहार।

सामाजिक सुधार और धर्म परिवर्तन:

डॉ. आंबेडकर का मानना था कि हिंदू धर्म में दलितों के लिए समानता की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कई बार कहा - मैं हिंदू के रूप में जन्मा जरूर हूं, लेकिन हिंदू के रूप में मरूंगा नहीं। १९५६ में उन्होंने लाखों अनुयायियों के

विशेष

शेख अब्दुर्रहीम सर

साथ बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया क्योंकि बौद्ध धर्म में जाति व्यवस्था का कोई स्थान नहीं है और सभी मनुष्य बराबर माने जाते हैं।

संविधान निर्माण में भूमिका:

जब भारत को स्वतंत्रता मिली और संविधान निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ, तब डॉ. आंबेडकर को संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने भारत के संविधान निर्माण में मुख्य भूमिका निभाई। भारत का संविधान दुनिया के सबसे बड़े और विस्तृत संविधानों में गिना जाता है, जिसमें सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय की गारंटी दी गई है। उन्होंने विशेष रूप से पिछड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा की। उन्होंने आरक्षण प्रणाली की नींव रखी ताकि दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों को शिक्षा, रोजगार और राजनीति में समान अवसर प्राप्त हो सकें।

राजनीतिक जीवन:

डॉ. आंबेडकर न केवल एक विचारक और सुधारक थे बल्कि एक सफल राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने आज़ाद भारत नामक अखबार निकाला और बाद में शेड्यूल कास्ट फेडरेशन नामक राजनीतिक पार्टी की स्थापना की। इसके बाद उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की स्थापना की ताकि दलितों को एक मजबूत राजनीतिक मंच मिल सके। उन्होंने हमेशा संवैधानिक तरीके से संघर्ष किया और लोकतंत्र, समानता और कानून की सर्वोच्चता में विश्वास रखा।

साहित्यिक योगदान:

डॉ. आंबेडकर एक महान लेखक भी थे। उनकी लिखी हुई प्रसिद्ध किताबें हैं -

Annihilation of Caste

The Buddha and His Dhamma

Who Were the Shudras?

The Problem of the Rupee

इन पुस्तकों में उन्होंने भारतीय समाज, धर्म, अर्थव्यवस्था और जाति व्यवस्था पर गहन प्रकाश डाला है। उनके विचार आज भी सामाजिक न्याय के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं।

निधन और विरासत:

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का निधन ६ दिसंबर १९५६ को दिल्ली में हुआ। उनकी मृत्यु के बाद भी उनका मिशन और संदेश लाखों लोगों के दिलों में जीवित है। हर साल १४ अप्रैल को उनकी जयंती और ६ दिसंबर को उनका महापरिनिर्वाण दिवस बड़े उत्साह से मनाया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में लाखों लोग हर साल धम्मचक्र प्रवर्तन दिन में भाग लेते हैं।

डॉ. आंबेडकर के व्यक्तित्व की विशेषताएं:

शिक्षा पर विशेष जोर: उन्होंने शिक्षा को दलितों की प्रगति की कुंजी बताया। उनका प्रसिद्ध नारा था - शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।

समानता के पक्षधर: उन्होंने हर स्तर पर समानता की आवाज उठाई।

कानून का सम्मान: उन्होंने हमेशा संवैधानिक मार्ग से संघर्ष किया।

सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष: उन्होंने उन वर्गों के लिए काम किया जिन्हें समाज ने सदियों से उपेक्षित किया था।

निष्कर्ष: डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर केवल दलितों के ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के महान नेता थे। उनकी जिंदगी हर उस इंसान के लिए प्रेरणा है जो अन्याय और शोषण के खिलाफ खड़ा होना चाहता है। उन्होंने न केवल अपने ज्ञान और कर्म से समाज को बदला बल्कि भारत को ऐसा संविधान दिया जो हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। आज भी उनके विचार और सेवाएं करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा और उम्मीद की किरण हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com